ॐ जय गंगाधर जय हर, जय गिरिजाधीशा।
त्वं मां पालय नित्यं, कृपया जगदीशा॥
॥ ॐ हर हर हर महादेव ॥

कैलासे गिरिशिखरे, कल्पद्रुमविपिने।
गुंजति मधुकरपुंजे, कुंजवने गहने॥
॥ ॐ हर हर हर महादेव ॥

कोकिलकूजित खेलत, हंसावन ललिता।
रचयति कलाकलापं, नृत्यति मुदसहिता॥
॥ ॐ हर हर हर महादेव ॥

तस्मिंल्ललितसुदेशे, शाला मणिरचिता।
तन्मध्ये हरनिकटे, गौरी मुदसहिता॥
क्रीडा रचयति, भूषारंचित निजमीशम्।
इंद्रादिक सुर सेवत, नामयते शीशम्॥
॥ ॐ हर हर हर महादेव ॥

बिबुधबधू बहु नृत्यत, हृदये मुदसहिता।
किन्नर गायन कुरुते, सप्त स्वर सहिता॥
धिनकत थै थै धिनकत, मृदंग वादयते।
क्वण क्वण ललिता वेणुं, मधुरं नाटयते॥
॥ ॐ हर हर हर महादेव ॥

रुण रुण चरणे रचयति, नूपुरमुज्ज्वलिता।
चक्रावर्ते भ्रमयति, कुरुते तां धिक तां॥
॥ ॐ हर हर हर महादेव ॥

तां तां लुप चुप, तां तां डमरू वादयते।
अंगुष्ठांगुलिनादं, लासकतां कुरुते॥
॥ ॐ हर हर हर महादेव ॥

कर्पूरद्युतिगौरं, पञ्चाननसहितम्।
त्रिनयनशशिधरमौलिं, विषधरकण्ठयुतम्॥
॥ ॐ हर हर हर महादेव ॥

सुन्दरजटाकलापं, पावकयुतभालम्।
डमरुत्रिशूलपिनाकं, करधृतनृकपालम्॥
॥ ॐ हर हर हर महादेव ॥

मुण्डै रचयति माला, पन्नगमुपवीतम्।
वामविभागे गिरिजा, रूपं अतिललितम्॥
॥ ॐ हर हर हर महादेव ॥

सुन्दरसकलशरीरे, कृतभस्माभरणम्।
इति वृषभध्वजरूपं, तापत्रयहरणम्॥
॥ ॐ हर हर हर महादेव ॥

शंखनिनादं कृत्वा, झल्लरि नादयते।
नीराजयते ब्रह्मा, वेदऋचां पठते॥
॥ ॐ हर हर हर महादेव ॥

अतिमृदुचरणसरोजं, हृत्कमले धृत्वा।
अवलोकयति महेशं, ईशं अभिनत्वा॥
॥ ॐ हर हर हर महादेव ॥

ध्यानं आरति समये, हृदये अति कृत्वा।
रामस्त्रिजटानाथं, ईशं अभिनत्वा॥
॥ ॐ हर हर हर महादेव ॥

संगतिमेवं प्रतिदिन, पठनं यः कुरुते।
शिवसायुज्यं गच्छति, भक्त्या यः श्रृणुते॥
॥ ॐ हर हर हर महादेव ॥